Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad

Press Release

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

March 11, 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11th March at the Institute's campus under Project HandMade in India (HMI) supported by HSBC.

An Exhibition by weavers from Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu) clusters covered under the project HMI was also organized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including: Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sarees and Textile Products.

The Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar was attended by Government agencies, NGOs, Design institutions, Craft entrepreneurs, Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around **'Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'.** Panel discussions were on **'Sustainability Learning Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.**

The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, "In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."
Dr. Raman Gujral, Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons."

The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024-2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

Lavjibhai Nagjibhai Parmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. Lavjibhai Nagjibhai Parmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre,

resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.
Lavjibhai Nagjibhai Parmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the Sant Kabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

Lavjibhai Nagjibhai Parmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Lavjibhai shared, "I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments. Additionally, participating in EDII's exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales."
He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.
Lavjibhai Nagjibhai Parmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

स्थायी भविष्य के लिए भारत की शिल्प परंपराओं का संवर्धन

11 मार्च, 2025: एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (EDII), अहमदाबाद ने 11 मार्च को संस्थान के परिसर में इन्डस्ट्री राउन्डटेबल मीट एवं थॉट लीडरशिप सेमिनार का आयोजन किया जो प्रोजेक्ट हैंडमेड इन इंडिया (एचएमआई) के तहत एचएसबीसी द्वारा समर्थित था।

प्रोजेक्ट एचएमआई के तहत कवर किए गए भुज (गुजरात) और इरोड (तमिलनाडु) क्लस्टरों के बुनकरों द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। 16 बुनकरों और 3 अतिथि बुनकरों ने बांधनी, बाटिक ब्लॉक प्रिंट, अपसाइकल उत्पाद, अजरख,

प्राकृतिक डाई उत्पाद, रेशम की साड़ियों और कपड़ा उत्पादों सहित हस्तनिर्मित कृतियों की अपनी विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया।

इन्डस्ट्री राउन्डटेबल मीट एवं थॉट लीडरशिप सेमिनार में सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों, डिजाइन संस्थानों, शिल्प उद्यमियों, प्राकृतिक डाई सप्लायर्स, बुनकरों और कारीगरों ने भाग लिया। यह चर्चा 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड टेक फॉर सस्टेनेबल क्राफ्ट: इंगेजिंग न्यू एंटरप्रेन्योर्स' पर केंद्रित थी। पैनल चर्चा 'सस्टेनेबिलिटी लर्निंग एक्सचेंज : अ कोऑपरेटिव इनिशिएटिव फॉर आर्टिसन्स एंड स्पेशलिस्ट्स टू शेयर इनसाइट्स एंड स्ट्रैटेजीज' पर थी। नए बाजार संबंधों और बाजार विस्तार के माध्यम से समाधान खोजने के प्रयास; व्यवसाय में प्रौद्योगिकी के एकीकरण के बारे में जागरूकता और प्रदर्शन, सरकारी योजनाओं के साथ अभिसरण और उद्यमशीलता प्रथाओं पर उन्नत ज्ञान पर चर्चा की गई।

डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "एक स्थायी भविष्य की खोज में, ईडीआईआई प्रोजेक्ट एचएमआई के तहत अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से कारीगरों के जीवन में प्रगति और विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश के कारीगरों और बुनकरों का संवर्धन और सशक्तिकरण आवश्यक है क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे हम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकते हैं।"

डॉ. रमन गुजराल, प्रोफेसर और डायरेक्टर- डिपार्टमेन्ट ओफ प्रोजेक्ट्स- कॉर्पोरेट्स ने कहा, "एचएसबीसी के एचएमआई परियोजना ने कारीगरों के लिए स्थायी आजीविका विकल्प सुनिश्चित करके उन्हें कुशल बनाने और सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। आज ये प्रशिक्षित शिल्पकार आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और विकास के लिए रचनात्मक रूप से सोचने और व्यावसायिक रणनीतियों को लागू करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। मैं इस कार्यक्रम की सफलता से खुश हूं। प्रदर्शनी हमारे शिल्पों और शिल्पकारों की क्षमता को दर्शाती है।"

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (EDII) द्वारा कार्यान्वित और HSBC द्वारा समर्थित प्रोजक्ट हैंडमेड इन इंडिया, भुज (गुजरात) और इरोड (तमिलनाडु) क्षेत्रों में हेन्डलुम बुनकरों और कारीगरों द्वारा सामना की जाने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करती है। इन चुनौतियों में मुख्य रूप से आधुनिक उपकरणों और तकनीकों, प्राकृतिक/जैविक सामग्रियों के बारे में अपर्याप्त ज्ञान या सीमित पहुंच के अलावा डिजिटल प्रचार सहित मार्केटिंग तकनीकों पर जागरूकता शामिल है।

इस परियोजना का उद्देश्य कौशल विकास, बाजार पहुंच और उद्यमशीलता सहायता प्रदान करके एकीकृत हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला के माध्यम से अंतरों को कम करना है, जिससे बुनकरों की आजीविका में सुधार होगा और टिकाऊ हेन्डलून प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा। तीन वर्षों (2024-2027) की अवधि में,यह परियोजना से इन दोनों क्षेत्रों में 1,000 बुनकरों को प्रत्यक्ष और 2,000 अप्रत्यक्ष हितधारकों को लाभ होगा।

लवजीभाई नागजीभाई परमार: पद्मश्री पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा एवं प्रोजेक्ट HMI के लाभार्थी

हाथ से बुनाई की 700 साल पुरानी टांगलिया कला से सुरेंद्रनगर जिले के डांगसिया समुदाय के लोग जुड़े हैं। लवजीभाई नागजीभाई परमार प्रोजेक्ट HMI के लाभार्थी है एवं टांगलिया कला से जुडे हुए है। लवजीभाई नागजीभाई परमार को यह कला उनके पिता से विरासत में मिली है और उनका परिवार पीढ़ियों से इस कला का संरक्षण कर रहा है।
1986 में, डांगसिया समुदाय ने पहली बार वीवर्स सर्विस सेंटर में अपने नमूने प्रस्तुत किए, जिसके परिणामस्वरूप शॉल का पहला ऑर्डर मिला। तब से, कला को प्रसिद्धि मिली और समुदाय को लगातार ऑर्डर मिले। टांगलिया कला को GI टैग भी दिया गया है।

लवजीभाई नागजीभाई परमार पिछले 40 वर्षो से टांगलिया कला से जुड़े हैं। वे स्वंय प्रोडक्टस बनाते हैं एवं 40 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण भी दे चुके, जिससे युवा पीढी भी कला से जुडी रहे । कला में उनके योगदान के लिए उन्हें 1990 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सन्मानित किया गया था । 2019 में संत कबीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है एवं 2025 में कला के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हे पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा ।

लवजीभाई नागजीभाई परमार ने इस बुनाई कला को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए एक साझा सुविधा केंद्र स्थापित किया है, जहां 12 बुनकरों उनके साथ काम करके रोजगार प्राप्त कर रहे है। लवजीभाई नागजीभाई परमार ने ईडीआईआई के बारे में बात करते हुए बताया कि, "उन्होने ईडीआईआई से नेचरल डाईंग, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन भुगतान में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। साथ ही में ईडीआईआई के प्रदर्शनियों में भाग लेने से उन्हें ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिली है। जिससे कला अधिक लोगो तक पहोंच पाती है। एवं कला को जीवंत रखने और उत्पाद के विक्रय से संबंधित जानकारी

भी ईडीआईआई द्वारा दी गई है।”

EDII द्वारा लवजीभाई नागजीभाई परमार को सन्मानित किया गया इन्डस्ट्री राउन्डटेबल मीट एवं थॉट लीडरशिप सेमिनार में ।

लवजीभाई नागजीभाई परमार भविष्य में टांगलिया कला के उत्पादों को ऑनलाइन बेचने की योजना बना रहे हैं, जिससे उनके समुदाय के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और कला जीवंत रहेगी ।

11 માર્ચ 2025: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'' પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, “ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ.”

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે.”

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરૂં જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

<u>લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી</u>

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યો હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઈંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્ઝિબીશનમાં ભાગ લઈને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઈચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad

Media Coverage

AhmedabadMirror

https://www.ahmedabadmirror.com/empowering-artisans-preserving-traditions-edii-ahmedabads- commitment-to-sustainable-handloom-entrepreneurship/81887944.html

Empowering Artisans, Preserving Traditions: EDII Ahmedabad’s Commitment To Sustainable Handloom Entrepreneurship

Empowering Artisans, Preserving Traditions: EDII Ahmedabad’s Commitment To Sustainable Handloom Entrepreneurship

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII Ahmedabad, Felicitates Lavjibhai Nagjibhai Parmar During The Industry Roundtable And Thought Leadership Seminar Under The HandMade In India (HMI) Project.

New Delhi [India], March 25: India’s handloom sector is not just a reflection of its rich cultural heritage but also a key driver of sustainable entrepreneurship and economic empowerment. Through initiatives like the HandMade in India (HMI) project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad and supported by HSBC, artisans are receiving the necessary training, market access, and business acumen to transform their traditional skills into viable enterprises.

In Focus: Lavjibhai Nagjibhai Parmar – Weaving Legacy with Livelihood

Among the many artisans impacted by the HMI initiative is Lavjibhai Nagjibhai Parmar, a master weaver from the Dangasia community in

Surendranagar, Gujarat, who has dedicated over four decades to Tangaliya weaving. With EDII's support, he has refined his craft and gained the tools to scale his business, train the next generation of artisans, and adopt sustainable, market-driven practices. His journey is a compelling example of how traditional skills can evolve into sustainable, community-led enterprises when paired with structured support.

A recipient of several prestigious awards—including the National Award (1990), the Sant Kabir Award (2019), and the upcoming Padma Shri (2025)—Lavjibhai spoke to us about his craft, the transformation brought by EDII's training, and his aspirations for the future of Tangaliya weaving.

Q: You've been involved in Tangaliya weaving for decades. What role has EDII's HandMade in India project played in your journey?

Lavjibhai Parmar: I have received extensive training under the HandMade in India (HMI) project. It went far beyond craft enhancement and included credit management, business development, market linkage, and enterprise development. I also learned about design innovation and capacity building. This support helped me sustain the art form while improving product sales. The business side of the craft was always a challenge, but EDII's guidance gave me the confidence and tools to navigate it.

Q: Exhibitions are a big part of visibility for artisans. What impact have EDII-organized exhibitions had on your work?

Lavjibhai Parmar: The exhibitions organized by EDII gave me a platform to connect directly with customers and showcase Tangaliya art to people who genuinely appreciate handcrafted work. The exposure helped more people discover and appreciate my work. It was also a great learning experience in understanding what customers value and how their tastes are changing.

Q: Despite your success, what are some ongoing challenges you face as an artisan?

Lavjibhai Parmar: Some of the key challenges include limited resources, lack of access to marketing platforms, and inadequate infrastructure for broader distribution. But I see them as areas of opportunity. With more support in these aspects, I believe we can expand our reach, create more employment opportunities for my community, and ensure this ancient art form continues to thrive for future generations.

Q: Sustainability & Responsibility is becoming a key part of modern craftsmanship. How are you incorporating this into your work?

Lavjibhai Parmar: I now use natural dyeing techniques in my work, a skill I learned through the HMI project. Moving forward, I plan to sell Tangaliya art products online, generate more employment for local artisans, and promote eco-friendly practices. The aim is to ensure this traditional art form stays relevant and sustainable in the long run.

Lavjibhai Parmar's story is a testament to how grassroots entrepreneurship, when nurtured with the right support, can preserve heritage while powering inclusive growth. Through initiatives like HandMade in India, EDII Ahmedabad continues to foster sustainable livelihoods, promote traditional crafts, and enable artisans to become resilient entrepreneurs in a modern, evolving market.

https://ultimategujarat.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11th March at the Institute's campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.
An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around'**Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New**

Entrepreneurs'. Panel discussions were on **'Sustainability Learning Exchange: A**

Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.

The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, "In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons." The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024–2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his

contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** “I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments. Additionally, participating in EDII’s exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales.”
He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

https://expressgujaratnews.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India’s Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11thMarch at the Institute’s campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.
An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around**‘Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs’**.Panel discussions were on**‘Sustainability Learning Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies’.**
The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, “In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development

in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and

empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons."
The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024–2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** "I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments. Additionally, participating in EDII's exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales."
He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future,

creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

https://hotlinegujarat.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India’s Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11thMarch at the Institute’s campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.

An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government

agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around'**Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'**.Panel discussions were on'**Sustainability Learning Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.**

The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, "In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons."

The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024–2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** “I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments.

Additionally, participating in EDII’s exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales.”

He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

GUJARAT MORNING POST

https://gujaratmorningpost.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11thMarch at the Institute's campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.

An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around**'Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'.**Panel discussions were on**'Sustainability Learning Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.**

The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, “In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India.”

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, “HSBC’s HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons.”

The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024–2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking

about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** "I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments.

Additionally, participating in EDII's exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales."

He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

https://gujaratbusinesswatch.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11th March at the Institute's campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.

An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around**'Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'.**Panel discussions were on**'Sustainability Learning**

Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.

The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, "In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons."

The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024-2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** “I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments. Additionally, participating in EDII’s exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales.” He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

https://newsbharatdaily.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Gujarat, Ahmedabad 11 March 2025: Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11thMarch at the Institute's campus underProject HandMade in India (HMI) supported by HSBC.
An Exhibition by weavers from Bhuj(Gujarat) and Erode (Tamil Nadu)clusters covered under the project HMI was alsoorganized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including:Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sareesand Textile Products.

TheIndustry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminarwas attended by Government agencies, NGOs,Design institutions, Craft entrepreneurs,Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around**'Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'.**Panel discussions were on**'Sustainability Learning Exchange: A Cooperative Initiative for Artisans and Specialists to Share Insights and Strategies'.**
The discussions sought to find solutions through new market linkages and market expansion; awareness and exposure to amalgamation of technology in business, convergence with government schemes and advanced knowledge on entrepreneurial practices.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII in his opening remarks said, "In the pursuit of a sustainable future, EDII is committed to bringing about progress and development in the lives of artisans through its various initiatives under Project HMI. Nurturing and empowering artisans and weavers of the country is a dire need as this is the only way we can preserve the rich cultural heritage of India."

Dr.Raman Gujral,Professor & Director- Dept. of Projects- Corporates, said, "HSBC's HMI project has focused on skilling and empowering artisans by ensuring sustainable livelihood options for them. Today these trained craftspersons are financially independent and are in a much better place to think creatively and implement winning business strategies for growth. I am happy at the success of this programme. The exhibition depicts the potential of our crafts and carftspersons."

The HandMade in India project, implemented by the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and supported by HSBC, addresses the critical challenges faced by handloom weavers and artisans in the regions of Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu). These challenges primarily include insufficient knowledge or limited access to modern tools and techniques, natural/organic materials besides almost nil awareness on marketing techniques including digital promotion.

The project aims to bridge these gaps through a series of integrated interventions, providing skill development, market access, and entrepreneurial support, thereby improving the livelihoods of weavers and promoting sustainable handloom practices. Over a span of three years (2024–2027), the project will directly benefit 1,000 weavers and 2,000 indirect stakeholders in these two regions.

LavjibhaiNagjibhaiParmar: To be honoured with Padma Shri Award 2025 and Beneficiary of Project HMI

The ancient handloom art of Tangaliya, which is over 700 years old, is practiced by the Dangasia community of Surendranagar district. LavjibhaiNagjibhaiParmar is a beneficiary of Project HMI and is associated with this art. He inherited this art from his father, and his family has been preserving it for generations.

In 1986, the Dangasia community first showcased their samples at the Weavers Service Centre, resulting in the first order for shawls. Since then, the art gained fame, and the community received continuous orders. The Tangaliya art has also been granted a GI tag.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has been associated with the Tangaliya art for the past 40 years. He personally makes the products and has trained more than 40 youths, ensuring that the younger generation stays connected to the art. For his contributions to the art, he was honoured with a National Award in 1990. In 2019, he received the SantKabir Award, and in 2025, for his extraordinary contributions to the field of art, he will be honoured with the Padma Shri Award by the Government of India.

LavjibhaiNagjibhaiParmar has established a Common Facility Center to pass on this weaving art to future generations, where 12 weavers work with him and earn a livelihood. Speaking about the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), **Lavjibhai shared,** "I have received training by EDII in natural dyeing, digital marketing, and online payments. Additionally, participating in EDII's exhibitions has helped me reach customers, allowing the art to reach a wider audience. EDII has also provided valuable information about keeping the art alive and related product sales."

He was felicitated by EDII at Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar.

LavjibhaiNagjibhaiParmar plans to sell Tangaliya art products online in the future, creating employment opportunities for his community and ensuring the art remains vibrant.

https://amdavadlive.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગુજરાત, અમદાવાદ ૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઇન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઇ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યો હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. **લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે** ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્સિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

આજના સમાચાર

https://aajnasamachar.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગુજરાત, અમદાવાદ ૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટ્સે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યો હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. **લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે** ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઈંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્ઝિબીશનમાં ભાગ લઈને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

અમદાવાદ પોસ્ટ

https://amdavadpost.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગુજરાત, અમદાવાદ ૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઇન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયક્લ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉધોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અધતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યા હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. **લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે** ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્ઝિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

https://viratgujarat.com/edii-ahmedabad-organized-an-industry-roundtable-meet-thought-leadership-seminar/

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગુજરાત, અમદાવાદ ૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેકસટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઇ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારની પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યા હતી અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓર્ડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. **લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે ,**" EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્સિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

TRUTH OF BHARAT

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગુજરાત, અમદાવાદ ૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઇન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઇ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યો હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. **લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે ,**" EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્સિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

સનવિલા સમાચાર
SUNVILLA SAMACHAR : GUJARATI & ENGLISH DAILY NEWSPAPER

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે. ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉધોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અધતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો. ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક

જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ." ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓની અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે." પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે. આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારની પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે. 1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યા હતા અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્સિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે." લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

THE NEWS EXPRESS

EDII : સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

11 માર્ચ 2025: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે 11 માર્ચે તેમના ઇન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઇ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઇલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઇન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉધોગી, નેચરલ ડાઇ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઇનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઇનસાઇટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અધતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટસે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઇન ઇન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઇન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (2024-2027), આ પ્રોજેક્ટ સીધા 1,000 વણકરો અને 2,000 પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

<u>લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી</u>

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

1986 માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યા હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા 40 થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને 1990 માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. 2019 માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને 2025 માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ આ વણાટકળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે ," EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઇંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઇન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્સિબીશનમાં ભાગ લઇને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઇ નાગજીભાઇ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઇન વેચવા ઇચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

PUBLICATION NAME	**:**	**Ahmedabad Mirror**
EDITION	**:**	**Ahmedabad**
DATE	**:**	**31st March 2025**
PAGE	**:**	**07**

Ahmedabad Mirror

Date : 31.03.2025 Page : 07

Nurturing India's traditional craft

Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organised an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on campus under Project HandMade in India (HMI) supported by HSBC. An Exhibition by weavers from Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu) clusters covered under the project HMI was also organised where 16 weavers and three guest weavers showcased their diverse range of handmade creations.

PUBLICATION NAME : **Gujarat Pranam**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **13th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)**, અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં ૐજીમ્ઝ દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા **(HMI)** હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. **HMI** પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે. ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, દ્રઈં, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટઃ એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'' પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

PUBLICATION NAME : **The Venus Ti**

mes

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **13th March 2025**

PAGE : **04**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ધ વીનસ ટાઇમ્સ, અમદાવાદ, તા.૧૨

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે. ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્ત શિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ઼ઈ૩૯; પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'; પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો. ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે .

PUBLICATION NAME	:	**Sunvilla Samachar(English)**
EDITION	:	**Ahmedabad**
DATE	:	**13th March 2025**
PAGE	:	**04**

Nurturing India's Craft Traditions for a Sustainable Future

Sunvilla News: Ahmedabad

Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad organized an Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar on 11 th March at the Institute's campus under Project HandMade in India (HMI) supported by HSBC. An Exhibition by weavers from Bhuj (Gujarat) and Erode (Tamil Nadu) clusters covered under the project HMI was also organized. 16 weavers and 3 guest weavers showcased their diverse range of handmade creations including: Bandhani, Batik Block Prints, Upcycled Products, Ajrakh, Natural Dye Products, Silk Sarees and Textile Products. The Industry Roundtable Meet & Thought Leadership Seminar was attended by Government agencies, NGOs, Design institutions, Craft entrepreneurs, Natural dye suppliers, weavers and artisans. The discussions centred around 'Digital Transformation and Tech for Sustainable Craft: Engaging New Entrepreneurs'. Panel discussions were on 'Sustainability.

PUBLICATION NAME : **Divya Bhaskar(City Bhaskar)**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **12th March 2025**

PAGE : **09**

City ભાસ્કર

Date : 12.03.2025 Page : 09

EDII અને HSBC દ્વારા ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડ-ટેબલ મીટનું આયોજન કરાયું

નેચરલ પ્રિન્ટ, ડાયવાળી પ્રોડક્ટ્સ રજૂ કરીને 19 વણકરે સસ્ટેનેબિલિટીને પ્રોત્સાહન આપ્યું

ગાંધીનગરઃ EDII અને હોંગકોંગ એન્ડ શાંઘાઈ બેંકિંગ કોર્પોરેશન દ્વારા કાર્યરત પ્રોજેક્ટ 'હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા' (HMI) હેઠળ એક ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડ-ટેબલ મીટ અને લીડરશિપ સેમિનાર યોજાયો. દેશના હસ્તકલા ક્ષેત્રમાં સસ્ટેનેબલ ડેવલપમેન્ટ માટે સંવાદને પ્રોત્સાહન આપવા કાર્યક્રમ યોજાયો. ગુજરાતના ભુજ અને તામિલનાડુના ઈરોડના વણકરોની વૈવિધ્યસભર કલાત્મકતા દર્શાવતું એક્ઝિબિશન મુખ્ય આકર્ષણ હતું.

કુલ 19 વણકરોએ બાંધણી, બાટિક, બ્લોક પ્રિન્ટથી લઈ અપસાયકલ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાય પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડી અને અન્ય વસ્તુઓ સહિતની હસ્તકલા કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું. સેમિનારમાં સરકારી એજન્સી, NGO, ડિઝાઇન ઈન્સ્ટિટ્યૂશન્સ, ક્રાફ્ટ આંત્રપ્રિન્યોર્સ, નેચરલ ડાય સપ્લાયર્સ, વણકરો અને કારીગરો સહિત વિવિધ સ્ટેકહોલ્ડર્સ જોડાયા. ડિસ્કશન 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન અને સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ માટે ટેક્નોલોજીઃ નવા આંત્રપ્રિન્યોર્સને જોડવા' થીમ પર આધારિત હતી.

40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ આપી છે

ટાંગલિયા કળા 700 વર્ષ જૂની છે. આ કળા સાથે મુખ્યત્ત્વે સુરેન્દ્રનગરના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. મને આ કળા મારા પિતા પાસેથી વારસામાં મળી છે. 1986માં વિવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યો અને બાદમાં કળાનો પ્રચાર થયો. ટાંગલિયા કળા GI ટેગ ધરાવે છે. કળા સાથે 40થી વધુ વર્ષોથી જોડાયેલો છું, હું જાતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવું છું, તેમજ 40થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ આપી છે. મેં એક સેન્ટર બનાવ્યું છે, જેમાં 12 વણકરો જોડાયેલા છે અને રોજગારી મેળવે છે. અમે EDII થકી નેચરલ ડાઈંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ વિશે ટ્રેનિંગ મેળવી છે. >> **લવજીભાઈ પરમાર**

PUBLICATION NAME : **Sunvilla Samachar**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **13th March 2025**

PAGE : **05**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

સનવિલા ન્યુઝ, અમદાવાદ, તા.૧૨

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી,નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'; પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો. ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે .

PUBLICATION NAME : **Garv Bhoomi**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **13th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

ગર્વ ભૂમિ

૧૧ માર્ચ ૨૦૨૫: એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૯ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડૉ. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર- ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ- કોર્પોરેટ્સે જણાવ્યું હતું, "HSBC ના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (૨૦૨૪-૨૦૨૭), આ પ્રોજેક્ટ સીધા ૧,૦૦૦ વણકરો અને ૨,૦૦૦ પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

PUBLICATION NAME	**:**	**NavGujarat Samay**
EDITION	**:**	**Ahmedabad**
DATE	**:**	**19th March 2025**
PAGE	**:**	**08**

નવગુજરાત સમય

Date : 19.03.2025 Page : 08

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે હસ્તકલા પરંપરાને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઇન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઇન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઇરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરાયું હતું.

PUBLICATION NAME : **Shital Gujarat**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **16th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)**, અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં **HSBC** દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા **(HMI)** હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.**HMI** પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) કલસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, **NGO**, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'' પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

PUBLICATION NAME : **Jay Gujarat**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **16th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII)**, અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં **HSBC** દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા **(HMI)** હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, **NGO**, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'' પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

PUBLICATION NAME	**:**	**Gujarat Samachar(Plus)**
EDITION	**:**	**Ahmedabad**
DATE	**:**	**18th March 2025**
PAGE	**:**	**01**

ગુજરાત સમાચાર plus

TUESDAY
18 March, 2025
Page : 01

ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટરપ્રિન્યોરશિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા અમદાવાદે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં પ્રોજેક્ટ 'હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા' હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થૉટ લીડરશિપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું. હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા પ્રોજેક્ટ હેઠળ ભુજ અને તામિલનાડુના ઈરોડ કલસ્ટરના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું આયોજન કરાયું હતું, જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેકસટાઈલ પ્રોડક્ટ્સ ડિસ્પ્લે કરાઈ હતી.

PUBLICATION NAME : **Prabhat**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **16th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII), અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં HSBC દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા (HMI) હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટલીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.

HMI પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) ક્લસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેક્સટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટલીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, NGO, ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગો, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટ: એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એક્સચેન્જ: અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ" પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

ડો. સુનિલ શુક્લા, ડિરેક્ટર જનરલ, EDIIએ જણાવ્યું હતું, "ટકાઉ ભવિષ્યની શોધમાં, EDII પ્રોજેક્ટ HMI હેઠળ તેની વિવિધ પહેલ દ્વારા કારીગરોના જીવનમાં પ્રગતિ અને વિકાસ લાવવા માટે પ્રતિબદ્ધ છે. દેશના કારીગરો અને વણકરોનું પોષણ અને સશક્તિકરણ એ એક જરૂરિયાત છે કારણ કે આ એકમાત્ર રસ્તો છે જેના દ્વારા આપણે ભારતના સમૃદ્ધ સાંસ્કૃતિક વારસાને જાળવી શકીએ છીએ."

ડૉ. રમન ગુજરાલ, પ્રોફેસર અને ડિરેક્ટર-ડિપાર્ટમેન્ટ ઓફ પ્રોજેક્ટ્સ-કોર્પોરેટ્સે જણાવ્યું હતું, "HSBCના HMI પ્રોજેક્ટે કારીગરો માટે ટકાઉ આજીવિકાના વિકલ્પો સુનિશ્ચિત કરીને કૌશલ્ય અને સશક્તિકરણ પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કર્યું છે. આજે આ તાલીમ પામેલા કારીગરો આર્થિક રીતે સ્વતંત્ર

છે અને સર્જનાત્મક રીતે વિચારવા અને વિકાસ માટે સફળ વ્યવસાયિક વ્યૂહરચનાઓનો અમલ કરવા માટે વધુ સારી સ્થિતિમાં છે. આ કાર્યક્રમની સફળતાથી હું ખુશ છું. આ પ્રદર્શન આપણા કારીગરો અને કારીગરોની ક્ષમતા દર્શાવે છે."

પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા, એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા (EDII) દ્વારા અમલમાં લાવવામાં આવેલ છે અને HSBC દ્વારા સમર્થિત છે. આ પ્રોજેક્ટ ભુજ (ગુજરાત) અને એરોડ (તામિલનાડુ) વિસ્તારોમાં વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ દ્વારા સામનો કરવામાં આવેલા પડકારોને ઉકેલવા માટે કાર્યરત છે. આ પડકારોમાં મુખ્યત્વે આધુનિક સાધનો અને ટેકનીક માટે અધૂરું જ્ઞાન અથવા મર્યાદિત પ્રવેશ, પ્રાકૃતિક/જૈવિક સામગ્રી અને માર્કેટિંગ ટેકનિક્સ માટેનું અભાવ છે.

આ પ્રોજેક્ટ આ ખામીઓના નિવારણ માટે વિવિધ સંકલિત હસ્તક્ષેપો દ્વારા કાર્ય કરે છે, જેમાં કુશળતા વિકાસ, બજારનો પ્રવેશ અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ સપોર્ટના માર્ગે વણકરોના જીવનકને સુધારવા અને ટકાઉ હસ્તકલા રીતોને પ્રમોટ કરવાનું છે. ત્રણ વર્ષના ગાળામાં (૨૦૨૪-૨૦૨૭), આ પ્રોજેક્ટ સીધા ૧,૦૦૦ વણકરો અને ૨,૦૦૦ પરોક્ષ લાભાર્થીઓને આ બે વિસ્તારોમાં લાભ પહોંચાડશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર, કળા ક્ષેત્રે પદ્મશ્રી એવોર્ડથી સન્માનિત કરવામાં આવશે, પ્રોજેક્ટ HMIના લાભાર્થી

ટાંગલિયા કળા ૭૦૦ વર્ષ જૂની કળા છે આ કળા હાથે કાંતિ બિંદુઓ થકી બનાવવામાં આવે છે આ કળા સાથે મુખ્યત્વ સુરેન્દ્રનગર જિલ્લાના ડાંગસિયા સમુદાયના લોકો જોડાયેલા છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર પ્રોજેક્ટ HMI ના લાભાર્થી છે અને ટાંગલિયા કળા સાથે જોડાયેલા છે. તેઓને આ કળા તેમના પિતા થકી વારસામાં મળી છે અને હાલમાં તેમનું પરિવાર આ કળા સાથે જોડાયેલું છે.

૧૯૮૬ માં ડાંગસીયા સમુદાયના લોકો એ વીવર્સ સર્વિસ સેન્ટરમાં સેમ્પલ રજૂ કર્યો હતો અને ત્યાંથી તેઓને શાલનો પ્રથમ ઓર્ડર મળ્યા હતો અને ત્યારબાદ ધીરે ધીરે આ કળાનો પ્રચાર થયો જેથી આ સમુદાયના લોકોને ઓર્ડર્સ સતત મળતા રહ્યા છે. ટાંગલિયા કળાને GI ટેગ પણ મળ્યો છે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમાર ટાંગલિયા કળા સાથે છેલ્લા ૪૦ થી વધુ વર્ષોથી જોડાયલા છે તેઓ પોતે પ્રોડક્ટ્સ બનાવે છે તેમજ ૪૦થી વધુ યુવાનોને આ કળાની ટ્રેનિંગ પણ આપી છે જેથી કરીને યુવાનો પણ આ કળાથી જોડાયેલા રહે. આ કળા અંગે કરેલા તેમના કામની સરાહના પણ કરવામાં આવી છે તેમને ૧૯૯૦માં કળા ક્ષેત્રના યોગદાન માટે નેશનલ એવોર્ડ એનાયત કરવાં આવ્યો હતો. ૨૦૧૯ માં તેમને સંત કબીર એવોર્ડ એનાયત કરવામાં આવ્યો હતો અને ૨૦૨૫ માં તેમને ભારત સરકાર દ્વારા કળા ક્ષેત્રે તેમના યોગદાન માટે પદ્મશ્રી ખિતાબ એનાયત કરાશે.

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ આ વણાટ કળાને આગામી પેઢીઓ સુધી પહોંચાડવા માટે તેમણે એક સહિયારું સુવિધા કેન્દ્ર બનાવ્યું છે જેમાં ૧૨ વણકરો એમની સાથે કામ કરે છે અને રોજગારી મેળવે છે. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ EDII વિષે વાત કરતા જણાવ્યું કે, " EDII થકી તેમને નેચરલ ડાઈંગ, ડિજિટલ માર્કેટીંગ અને ઓનલાઈન પેમેંટ્સ વિષે તાલીમ મેળવી છે. તેમજ EDII ના એક્ઝિબીશનમાં ભાગ લઈને તેઓને ગ્રાહક સુધી પહોંચવામાં મદદ મળી છે જેથી કળા વધુ લોકો સુધી પહોંચી શકી છે. તેમજ કળાને જીવંત રાખવા અને વેચાણ સંબંધી ઉપયોગી માહિતી પણ અમને EDII થકી પુરી પાડવામાં આવી છે."

લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારને EDII દ્વારા સન્માનિત કરવામાં આવ્યા હતા. લવજીભાઈ નાગજીભાઈ પરમારએ જણાવ્યું કે ભવિષ્ય માં ટાંગલિયા કળાના પ્રોડક્ટ્સ તેઓ ઓનલાઈન વેચવા ઈચ્છે છે જેથી કરીને તેમના સમુદાયના લોકો માટે રોજગારીના અવસર ઉત્પન્ન થાય અને ટાંગલિયા કળા જીવંત રહે.

PUBLICATION NAME : **Gujarat Karobar**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **16th March 2025**

PAGE : **02**

સ્થાયી ભવિષ્ય માટે ભારતની હસ્તકલા પરંપરાઓને પ્રોત્સાહન

એન્ટ્રપ્રિન્યુરશીપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યૂટ ઓફ ઈન્ડિયા **(EDII),** અમદાવાદે ૧૧ માર્ચે તેમના ઈન્સ્ટિટ્યૂટ કેમ્પસમાં **HSBC** દ્વારા સમર્થિત પ્રોજેક્ટ હેન્ડમેડ ઈન ઈન્ડિયા **(HMI)** હેઠળ ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારનું આયોજન કર્યું હતું.**HMI** પ્રોજેક્ટ હેઠળ આવરી લેવામાં આવેલા ભુજ (ગુજરાત) અને ઈરોડ (તામિલનાડુ) કલસ્ટરોના વણકરો દ્વારા એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. ૧૬ વણકરો અને ૩ મહેમાન વણકરો એ તેમની હાથથી બનાવેલી વિવિધ કૃતિઓનું પ્રદર્શન કર્યું જેમાં બાંધણી, બાટિક બ્લોક પ્રિન્ટ્સ, અપસાયકલ્ડ પ્રોડક્ટ્સ, અજરખ, નેચરલ ડાઈ પ્રોડક્ટ્સ, સિલ્ક સાડીઓ અને ટેકસટાઈલ પ્રોડક્ટ્સનો સમાવેશ થાય છે.

ઈન્ડસ્ટ્રી રાઉન્ડટેબલ મીટ અને થોટ લીડરશીપ સેમિનારમાં સરકારી એજન્સીઓ, **NGO,** ડિઝાઈન સંસ્થાઓ, હસ્તકલા ઉદ્યોગી, નેચરલ ડાઈ સપ્લાયર્સ, વણકર અને હસ્તશિલ્પીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. 'ડિજિટલ ટ્રાન્સફોર્મેશન એન્ડ ટેક ફોર સસ્ટેનેબલ ક્રાફ્ટઃ એન્ગેજિંગ ન્યુ એન્ટરપ્રેન્યોર્સ' પર ચર્ચા કેન્દ્રિત હતી. સસ્ટેનેબિલિટી લર્નિંગ એકસચેન્જ : અ કો-ઓપરેટિવ ઈનિશિએટિવ ફોર આર્ટિઝન્સ એન્ડ સ્પેશિયાલિસ્ટ્સ ટુ શેર ઈનસાઈટ્સ એન્ડ સ્ટ્રેટેજીસ'' પર ચર્ચાઓ કરવામાં આવી હતી. ચર્ચાના ઉદ્દેશો નવા બજારના જોડાણ અને બજાર વિસ્તરણ, વ્યવસાયમાં ટેકનોલોજીનો સામેલ કરવાની જાગૃતિ, સરકારની યોજના સાથે જોડાવા અને એન્ટરપ્રેન્યુરશિપ પ્રથાઓ પર અદ્યતન જ્ઞાન પ્રદાન કરવાનો હતો.

PUBLICATION NAME : **Gujarat Vaibhav**

EDITION : **Ahmedabad**

DATE : **16th March 2025**

PAGE : **11**

स्थायी भविष्य के लिए भारत की शिल्प परंपराओं का संवर्धन

अहमदाबाद। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (EDII), अहमदाबाद ने 11 मार्च को संस्थान के परिसर में इन्डस्ट्री राउन्डटेबल मीट एवं थॉट लीडरशिप सेमिनार का आयोजन किया जो प्रोजेक्ट हैंडमेड इन इंडिया (एचएमआई) के तहत एचएसबीसी द्वारा समर्थित था।प्रोजेक्ट एचएमआई के तहत कवर किए गए भुज (गुजरात) और इरोड (तमिलनाडु) क्लस्टरों के बुनकरों द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। 16 बुनकरों और 3 अतिथि बुनकरों ने बांधनी, बाटिक ब्लॉक प्रिंट, अपसाइकल उत्पाद, अजरख, प्राकृतिक डाई उत्पाद, रेशम की साड़ियों और कपड़ा उत्पादों सहित हस्तनिर्मित कृतियों की अपनी विविध श्रृंखला का प्रदर्शन किया। डॉ. रमन गुजराल, प्रोफेसर और डायरेक्टर- डिपार्टमेन्ट ओफ प्रोजेक्ट्स-कॉर्पोरेट्स ने कहा कि एचएसबीसी के एचएमआई परियोजना ने कारीगरों के लिए स्थायी आजीविका विकल्प सुनिश्चित करके उन्हें कुशल बनाने और सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। आज ये प्रशिक्षित शिल्पकार आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और विकास के लिए रचनात्मक रूप से सोचने और व्यावसायिक रणनीतियों को लागू करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। मैं इस कार्यक्रम की सफलता से खुश हूं। प्रदर्शनी हमारे शिल्पों और शिल्पकारों की क्षमता को दर्शाती है।